भारत में आमतौर पर पाए जाने वाले जहरीले सांप कौन से हैं?

- सिर या फन पर वी/यू आकार का निशान
- लकड़ी के ढेर, छोटी झाड़ियों और पशुशाला में छिपता है
- काटने के तुरंत बाद दर्द होता है और सूजन आती है तथा त्वचा का रंग काला पड़ जाता है
- दृष्टि में धुंधलापन, बोलने और सांस लेने में कठिनाई और पक्षाघात हो सकता है

- मानसून के मौसम में छोटे-छोटे गड्ढों, बिलों और गड्ढों में छिपा हुआ पाया जाता है
- छोटे दरवाजे के अंतराल, बाथरूम पाइप के माध्यम से प्रवेश करता है
- गंभीर पेट दर्द, उल्टी और कमजोरी का कारण बनता है
- दृष्टि का धुंधलापन, बोलने और सांस लेने में कठिनाई और पक्षाघात हो सकता है

- दिखने में मोटा और प्रेशर कुकर की सीटी जैसी आवाज करता है
- गन्ने और कपास के खेतों में तथा लांबी घास मे छिप जाता है
- काटने की जगह पर बड़ा घाव हो जाता है और खून बहने लगता है
- रक्तस्राव मुंह, मूत्र या मल के माध्यम से भी हो सकता है

- छोटा सांप जो घास में छिप रहता है और चलते हुए इंसान को काट लेता है
- इसके काटने पर आमतौर पर कांटे चुभने जैसा महसूस होता है
- काटने की जगह पर सूजन आ जाती है और खून बहने लगता है
- रक्तस्राव मुंह, मूत्र या मल के माध्यम से भी हो सकता है

ICMR NIRRCH — INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH | NATIONAL INSTITUTE FOR RESEARCH IN REPRODUCTIVE AND CHILD HEALTH
INSP — ICMR National Snakebite Project
ICMR RMRCBB — INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH | REGIONAL MEDICAL RESEARCH CENTRE, BHUBANESWAR
Department of HEALTH & FAMILY WELFARE Government of Odisha

© भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सर्पदंश की जटिलताओं सहित रोकथाम और प्रबंधन पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता निर्माण पर आईसीएमआर राष्ट्रीय सर्पदंश परियोजना. प्रधान अन्वेषक: डॉ. राहुल गजभिये, वैज्ञानिक ई (उपनिदेशक), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई. योगदान: डॉ. हृषिकेश मुनशी, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक सी (मेडिकल), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई; डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, महाड, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र.
अभिस्वीकृति: डॉ. केदार भिड़े, ठाणे, महाराष्ट्र

भारत में आमतौर पर पाए जाने वाले गैर जहरिले सांप कौन से हैं?

मांजरा साँप

रूपसुंदरी / बनसुंदरी / तस्कर

बेल साँप

धामन / घोडा पछाड / अषाढ़िया

साखड़ साँप

पानीवाला साँप

दोमुँही / दोमुँहा

सीतालट / पिरपिट्टी

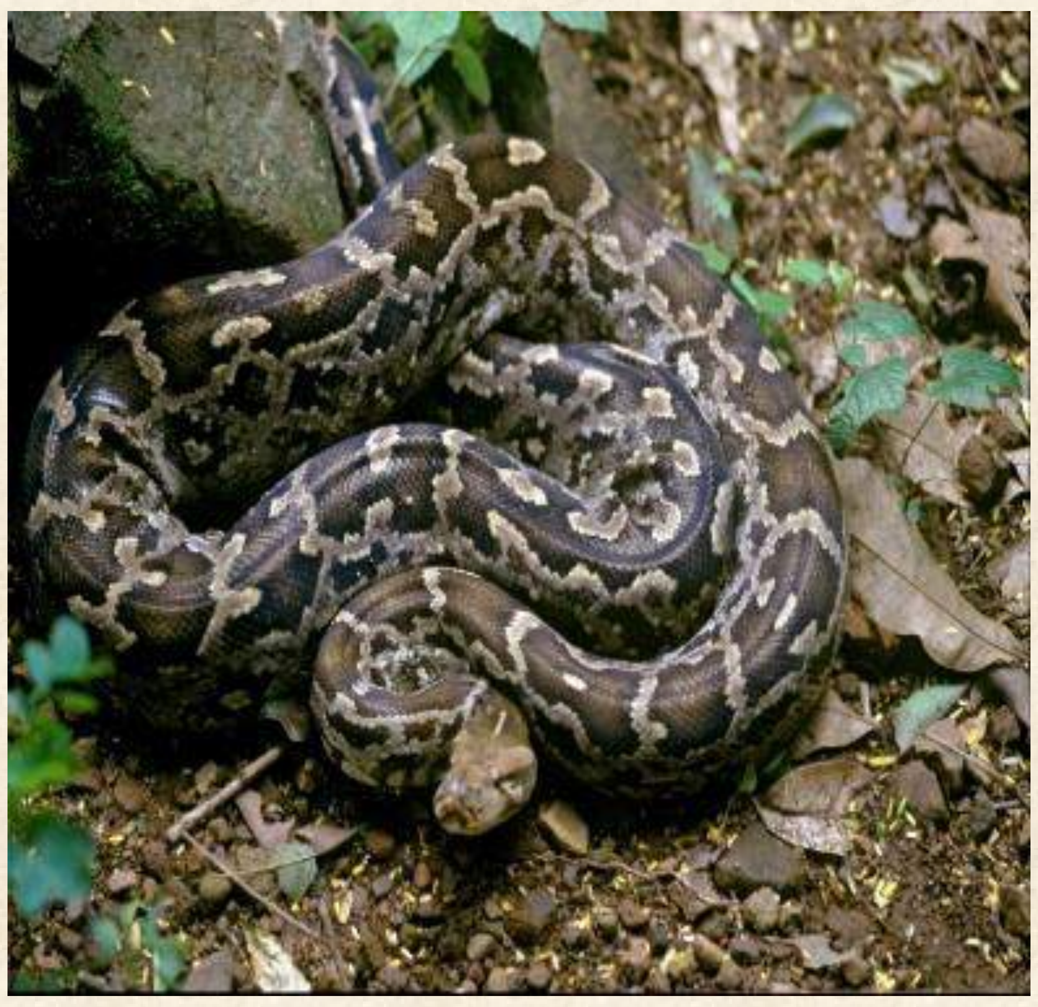
अजगर

सर्पदंश की जटिलताओं सहित रोकथाम और प्रबंधन पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता निर्माण पर आईसीएमआर राष्ट्रीय सर्पदंश परियोजना. प्रधान अन्वेषक: डॉ. राहुल गजभिये, वैज्ञानिक ई (उपनिदेशक), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई. योगदान: डॉ. हृषिकेश मुनशी, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक सी (मेडिकल), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई; डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, महाड, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र. अभिस्वीकृति: डॉ. केदार भिड़े, ठाणे, महाराष्ट्र; डॉ. सदानंद राऊत, नारायणगांव, पुणे, महाराष्ट्र

© भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सांप आमतौर पर कहां छिपे रहते हैं?

सर्पदंश की जटिलताओं सहित रोकथाम और प्रबंधन पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता निर्माण पर आईसीएमआर राष्ट्रीय सर्पदंश परियोजना. प्रधान अन्वेषक: डॉ. राहुल गजभिये, वैज्ञानिक ई (उपनिदेशक), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई. योगदान: डॉ. हृषिकेश मुनशी, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक सी (मेडिकल), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई; डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, महाड, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र. अभिस्वीकृति: गणेश भड, अहेरी; मिलिंद गव्हांदे, शहापूर; बिजयलक्ष्मी मोहंती, खोरधा; जगदीश प्रसाद दास, काशीपुर

© भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

आप सर्पदंश को कैसे रोक सकते हैं?

घास काटने से पहले उसमे एक
लकड़ी की छड़ी को हिलाएं

तैरते वक्त सावधान रहे

सोतेवक्त मच्छरदानी का इस्तेमाल करे

रात मे टॉर्च का इस्तेमाल करे

घनी वनस्पतियों में जाने से बचें

काम करते समय गम बूट्स का इस्तेमाल करें

घर और परिसर को साफ रखें

सर्पदंश की जटिलताओं सहित रोकथाम और प्रबंधन पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता निर्माण पर आईसीएमआर राष्ट्रीय सर्पदंश परियोजना. प्रधान अन्वेषक: डॉ. राहुल गजभिये, वैज्ञानिक ई (उपनिदेशक), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई. योगदान: डॉ. हृषिकेश मुनशी, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक सी (मेडिकल), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई; डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, महाड, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र.
अभिस्वीकृति: गणेश भड, अहेरी; मिलिंद गव्हांदे, शहापूर; अनफाल शेख, नांदेड, महाराष्ट्र

© भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सर्पदंश के लक्षण क्या हैं?

सांप के काटने के बाद लक्षण आमतौर पर 15 मिनट से 10 घंटे के भीतर दिखाई देते हैं। यदि किसी सर्पदंश के शिकार व्यक्ति में निम्न में से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो उसे तुरंत किसी ऐसे स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाएं जहां डॉक्टर उपलब्ध हो

पेट दर्द

उल्टी

दस्त

पसीने छूटना

मुंह, मूत्र या मल के माध्यम से खून आना

काटने की जगह पर सूजन

सांस लेने मे तकलीफ

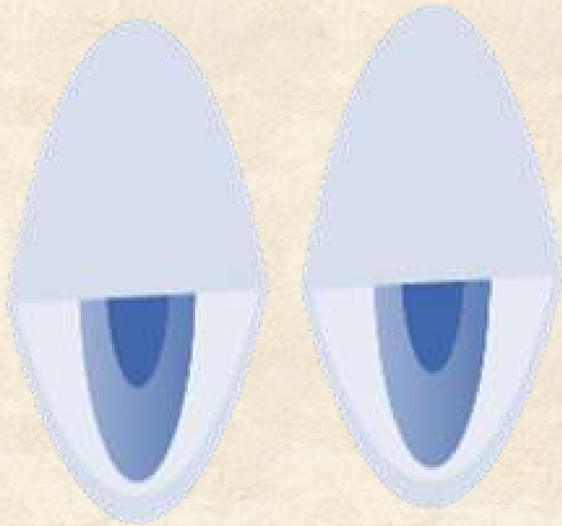

आंखों की पलकें नहीं खोल पाना

बेहोश हो जाना

सर्पदंश की जटिलताओं सहित रोकथाम और प्रबंधन पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता निर्माण पर आईसीएमआर राष्ट्रीय सर्पदंश परियोजना. प्रधान अन्वेषक: डॉ. राहुल गजभिये, वैज्ञानिक ई (उपनिदेशक), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई.

योगदान: डॉ. हृषिकेश मुनशी, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक सी (मेडिकल), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई; डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, महाड, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र.

© भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सर्पदंश के तुरंत बाद क्या करना चाहिए?

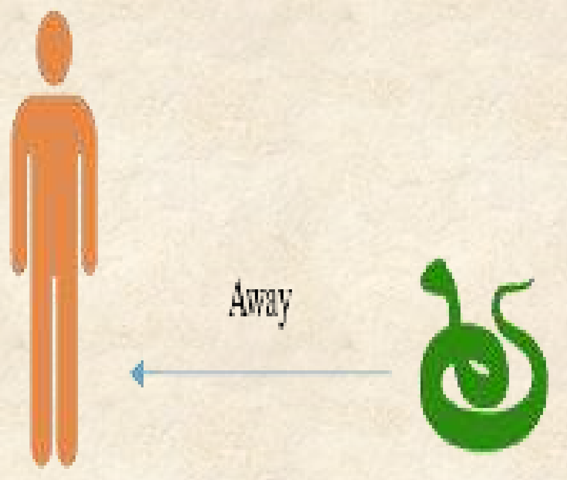

पीड़ित को धीरे-धीरे सांप से दूर ले जाएं

पीड़ित को आश्वस्त करें और दिलासा दें

पीड़ित को दौड़ने या तेज चलने न दें

पीने या खाने के लिए कुछ भी न दें

सर्पदंश स्थल पर सूजन आ सकती है। इसलिए जूता, अंगूठी, कलाई घड़ी, ब्रेसलेट या तंग कपड़ों को जल्द से जल्द उतार देना चाहिए

काटे हुए अंग को स्थिर करने के लिए अखबार के रोल या लकड़ी की छड़ी या स्टील के रूलर का उपयोग करें

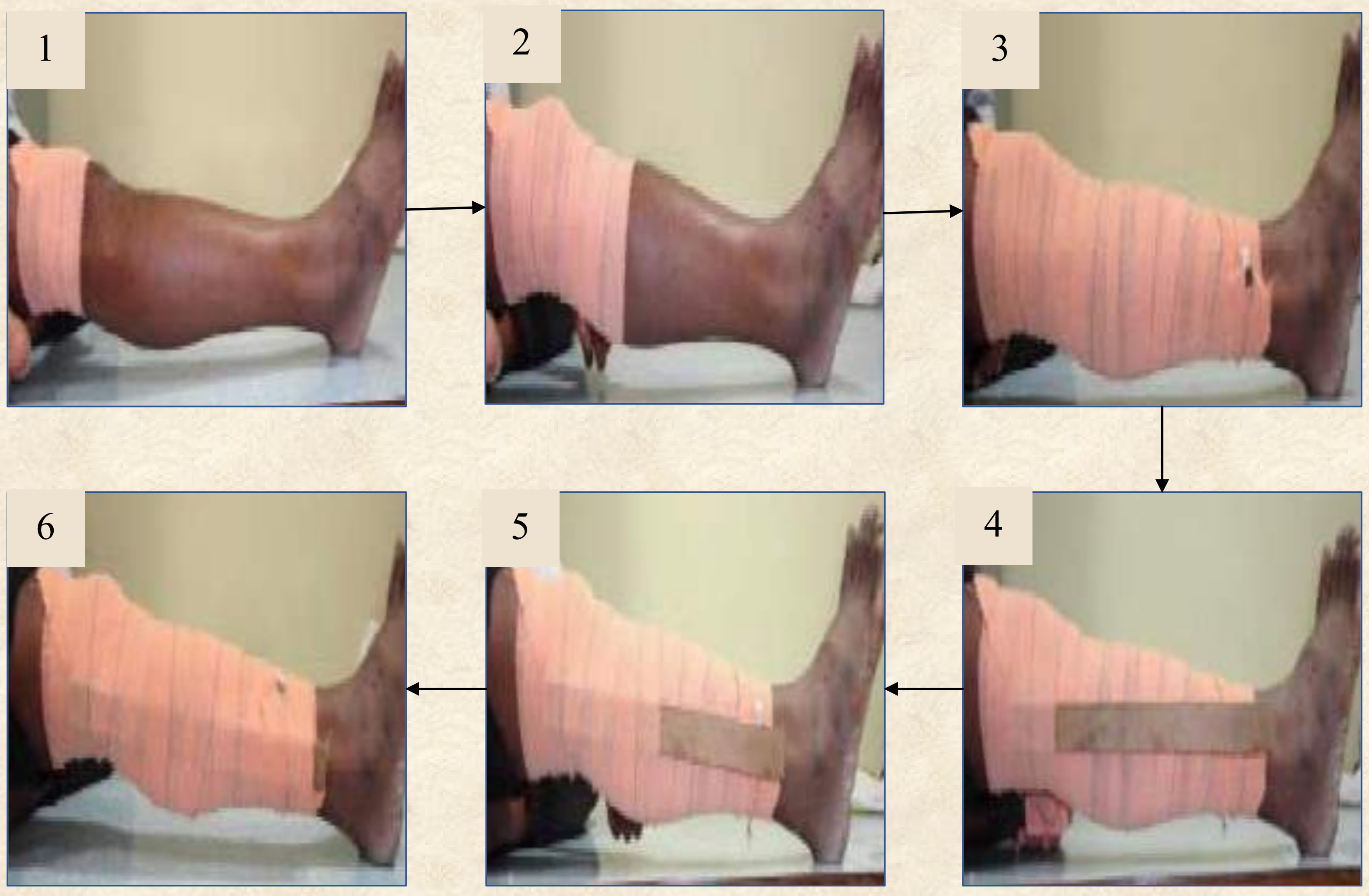

काटे हुए अंग पर पट्टी बांधने का सही तरीका

पीड़ित को मोटरसाइकिल पर ले जाने का सही तरीका

© भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सर्पदंश की जटिलताओं सहित रोकथाम और प्रबंधन पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता निर्माण पर आईसीएमआर राष्ट्रीय सर्पदंश परियोजना. प्रधान अन्वेषक: डॉ. राहुल गजभिये, वैज्ञानिक ई (उपनिदेशक), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई. योगदान: डॉ. हृषिकेश मुनशी, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक सी (मेडिकल), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई; डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, महाड, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र. अभिस्वीकृति: मिलिंद गव्हांदे, शहापूर, जिला ठाणे, महाराष्ट्र

सर्पदंश के तुरंत बाद क्या करना चाहिए?

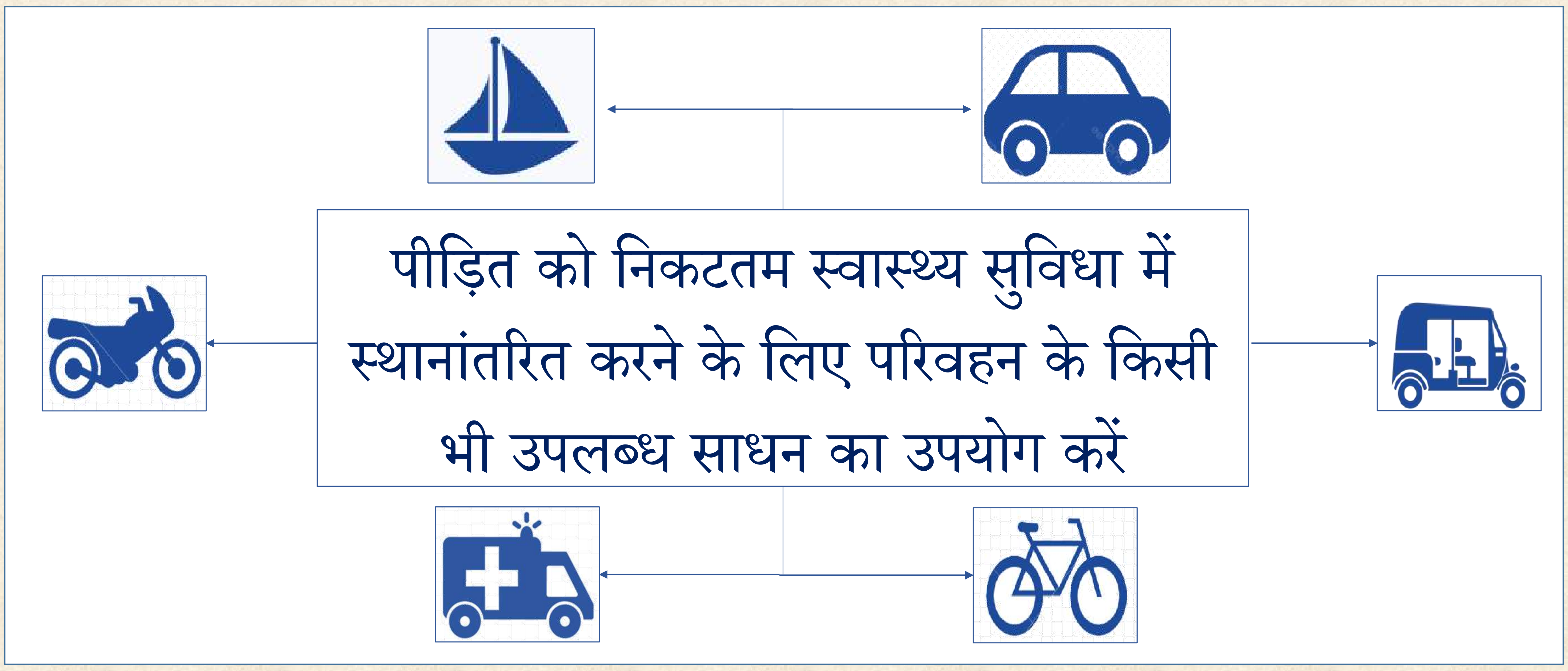

पट्टी बांधने के गलत तरीके से ज्यादा नुकसान हो सकता है

सांप को खोजने या मारने में समय बर्बाद न करें

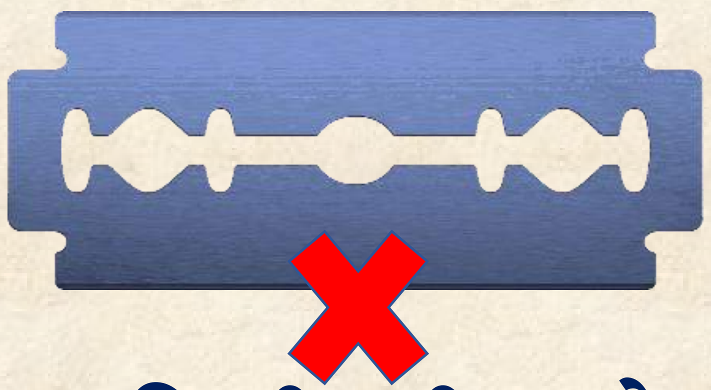

किसी नुकीली चीज से सर्पदंश हुए हिस्से को न काटें

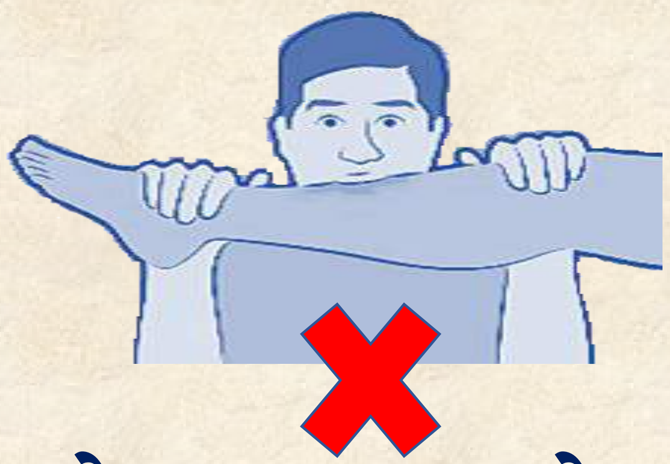

मुंह से जहर चूसने की कोशिश न करें

सर्पदंश के बाद मृत्यु के कारण –

- सांप की प्रजाति की गैर / गलत पहचान
- लक्षण दिखने का इंतजार करने मे समय बर्बाद करना
- अप्रमाणित उपचार और अंधविश्वासी गैर-वैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा पद्धतियों में समय बर्बाद करना
- काटे हुए स्थान के चारों ओर रस्सी या पट्टी इतनी कसकर बांधना कि वह रक्त के प्रवाह को बाधित कर दे
- एंबुलेंस सेवा समय पर न मिल पाना
- स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सा अधिकारी / विषरोधक की अनुपलब्धता

© भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सर्पदंश की जटिलताओं सहित रोकथाम और प्रबंधन पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता निर्माण पर आईसीएमआर राष्ट्रीय सर्पदंश परियोजना. प्रधान अन्वेषक: डॉ. राहुल गजभिये, वैज्ञानिक ई (उपनिदेशक), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, मुंबई. योगदान: डॉ. हृषिकेश मुनशी, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक सी (मेडिकल), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, मुंबई; डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, महाड, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र. अभिस्वीकृति: डॉ. सदानंद राऊत, नारायणगांव, जिला पुणे, महाराष्ट्र